



OUR ACHIEVEMENTS

AWARDS FOR APPRECIATING OUR WORK

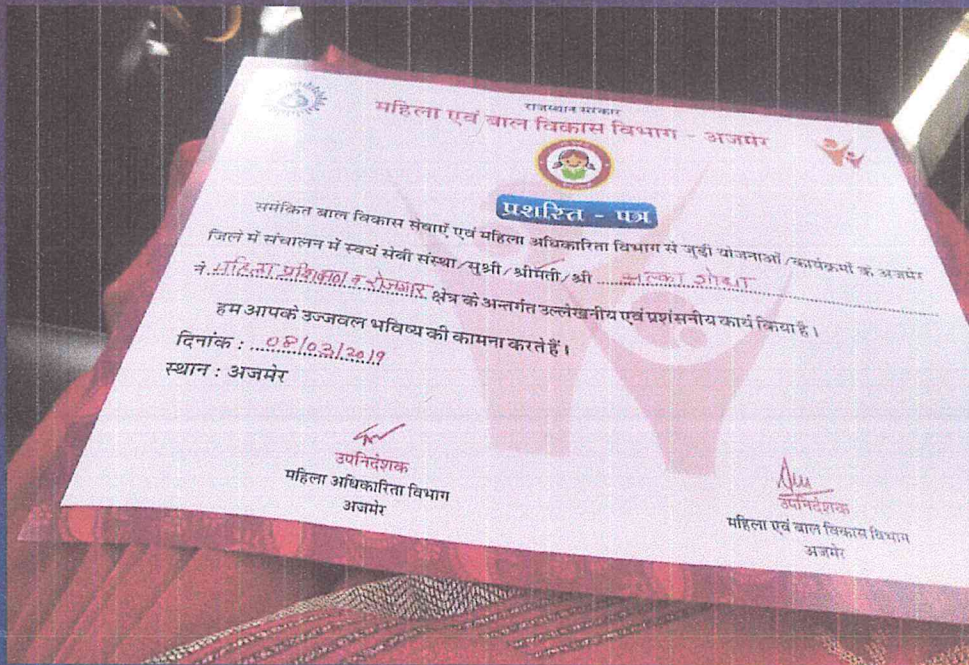
CSR EXCELLENCE AWARD FROM RAJASTHAN GOVERNMENT



**AWARD FOR MAINSTREAMING THE STREET
CHILDREN FROM THE GOVERNMENT OF
RAJASTHAN**



AWARDED FOR WOMEN EMPOWERMENT FROM WOMEN AND CHILD DEVELOPMENT DEPARTMENT



**AWARDED BY UNITED AJMER FOR OUR
GOOD SOCIAL WORK**



GET HONoured BY THE COLLECTOR AARTI DOGARA IN A FUNCTION



AWARDED BY SAMAJ SEVA PRABHAG, BRAHMA KUMARI'S



ONE MORE TIME AWARDED BY SAMAJ SEVA PRABHAG, BRAHMA KUMARI'S



SOME MORE AWARDS



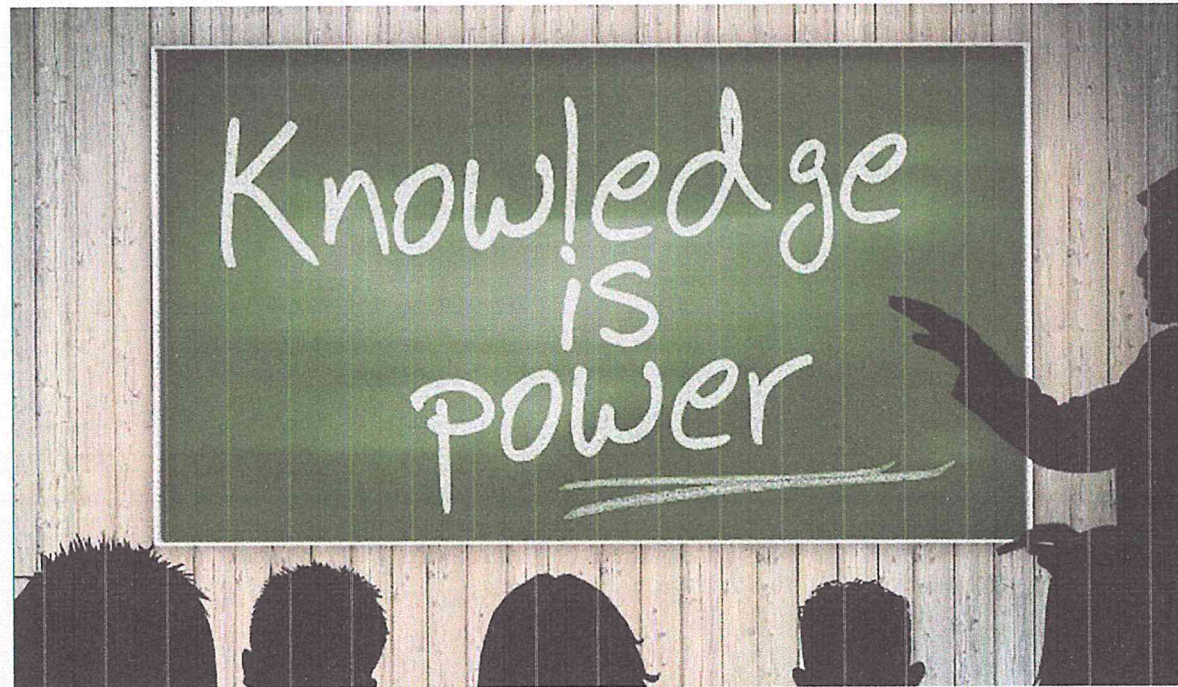
THANK YOU



MAINSTREAMING STREET CHILDREN

training inspire trainer education
visualisation changing
inspiration thought determination peace
psychology thoughts consciousness personal
affirming **Self** motivate career positive advice
goals knowledge business spiritual improvement attitude
confidence **Empowerment**
happiness strategy goal challenge change
mentoring statement affirmations thinking feeling
success beliefs creative mental

WE BELIEVE IN 'KNOWLEDGE IS POWER'



Every child has the right to study.

“Education is the key to unlock the GOLDEN door of FREEDOM.”

George Washington Carver



कचरा बीनने वाले बच्चों में शिक्षा की जगाई अलख

कचरा बीनने वाली बच्चों को सज्जुर एव भारतीय संस्कृति में पारिष्टिक का कचरा नालाश करने वाले बच्चों का शिक्षा से कहीं नाला नहीं था। इनके परिवार में न कोई पढ़ने वाला न इन्हें पढ़ाना वाला। सुबह से शाम तक कचरा बीनकर कमाई इकट्ठा करने वाले बच्चों का हर्द एक महिला ने समझा। महिला ने घर में ही उन्हें खाने की चीज देने के वहांने समझाया की और 10-15 मिनट पढ़ाना शुरू किया। यह सिलसिला इस कदर बढ़ा कि अब स्वल्प परिचा में करीब 150 बच्चों को शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ दिया गया है। इस काम का बीड़ा उठाने वाली अजमेर के अलखनंदा कॉलोनी निवासी अलख भोधा (जैन) आज पूरी शिद्दत के साथ इस कार्य में जुटी हुई हैं। पति छोटे से व्यवसाय में जुड़े हुए हैं और अलख गृहिणी हैं। इस कार्य में जुड़ने के बाद एवं बच्चों की संख्या बढ़ने पर उन्होंने इस मुहिम को बढ़ाते हुए चार से पांच स्वल्प परिचा (कच्ची बस्तियां) के करीब 150 बच्चों को पढ़ाया जा रहा है। अलख ने नामम एज्युकेशन एवं वेल्फेयर सोसायटी की स्थापना करने के साथ अन्य लोगों एवं संस्थाओं के सहयोग से गरीब एवं जरूरतमंद बच्चों को पढ़ाने के साथ उनके हुनर व कौशल का विकास का कार्य शुरू किया है।

बच्चों को मिला शिक्षा का अधिकार

अलख ने पहले पांच बच्चों से शुरुआत की आज 150 बच्चों की शिक्षा से जोड़ा। इसके तहत रातोडंग, ईदगाह, आंतेड़, झलकारी बाई, लोहागल आदि कच्ची बस्तियों के बच्चों को पढ़ाया जा रहा है। 50 बच्चों को दिलाया दरिद्रता राजकीय विद्यालय चौरभियावास में 50 बच्चों को प्रवेश दिलाकर शिक्षा से जोड़ा। हिन्दुस्तान जिक. लि. कागड के

अलख के मन में हमेशा यह सवाल उठा कि जब शिक्षा का अधिकार है तो गरीब बच्चों को क्यों नहीं। इसके बाद उन्होंने कचरा बीनने वाले एवं शिक्षा से वंचित बच्चों को पढ़ाना शुरू किया। न केवल अखर ज्ञान कराया बल्कि भिन्न कोसं करवा सरकारी स्कूल में दाखिला दिलाया।

माध्यम से इन बच्चों को शर्म की अला से ट्यूशन पढ़ाई जा रहा है। पाठ्य सामग्री भी उपलब्ध कराया जा रही है। डे केयर सेंटर से पढ़ाई के साथ कौशल विकास 2013 से इस कार्य की शुरुआत के बाद अब संस्था के माध्यम से लोहागल में डे केयर सेंटर स्थापित कर बच्चों को शिक्षित किया जा रहा है और अन्य उनमें छिपी प्रतिभा व कौशल का विकास कर उन्हें आगे बढ़ाया जा रहा है।

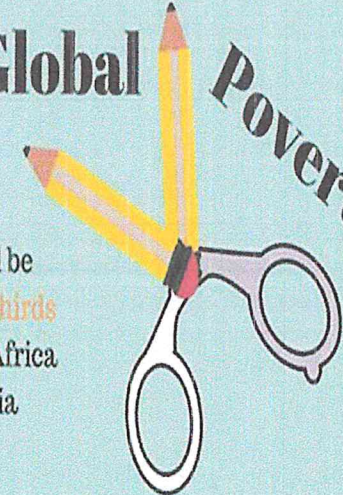
Gyanam, itself surveyed these slum areas and went door to door for making there parents understand the important of education



We could cut poverty by 55% if all adults completed secondary education

Global Poverty

Numbers could be reduced by **two-thirds** in sub-Saharan Africa and South Asia



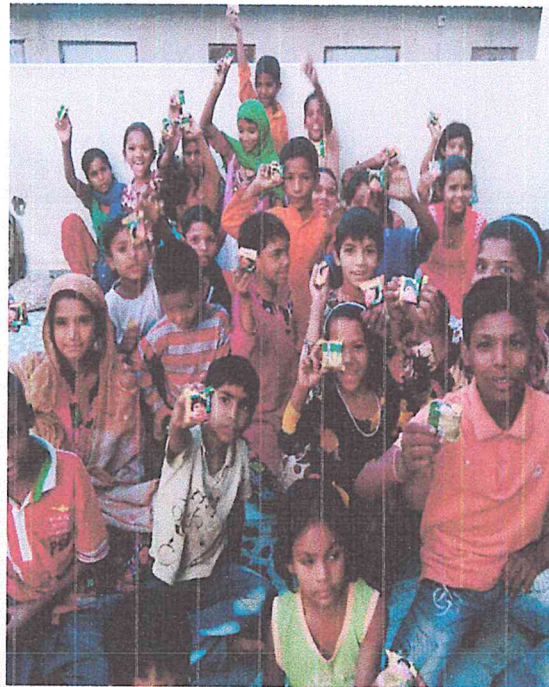
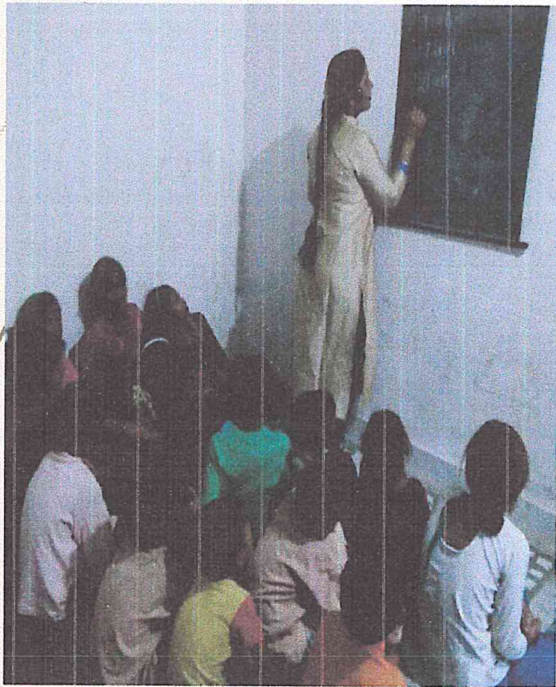
Gyanam is running four bridge course centres for collecting street children and mainstreaming them to school.



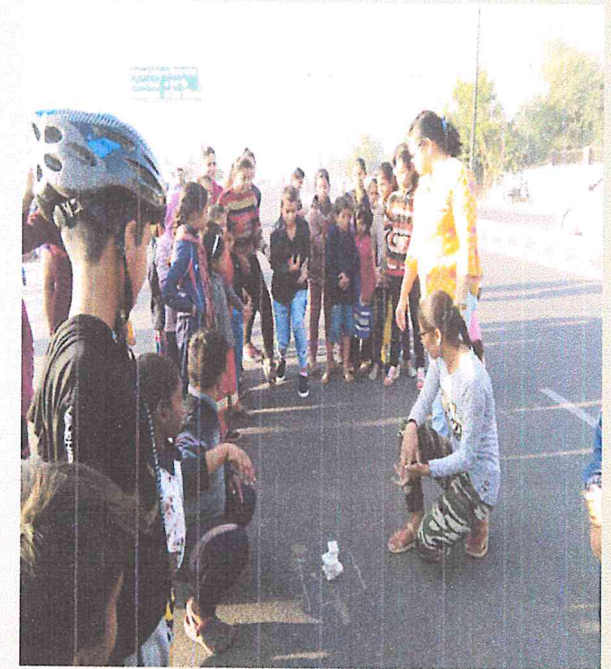
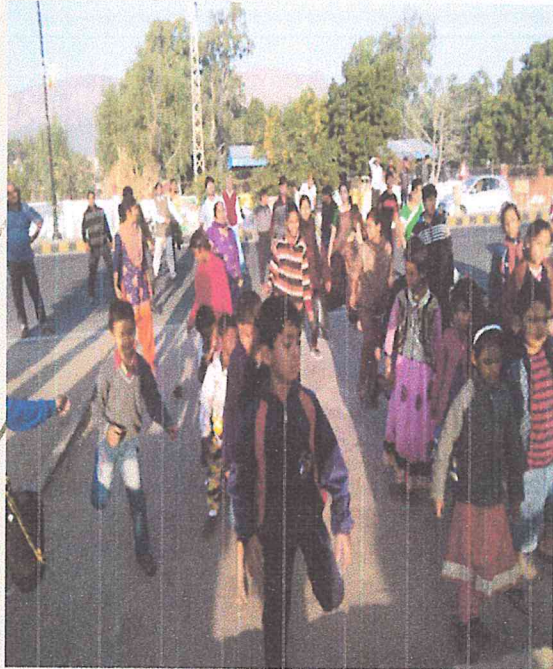
With the help of Aarti Dogra Ma'am, and supported by Hindustan Zinc, 50 students of Gyanam , got admission in government school



Gyanam with the help of Hindustan Zinc runs a free tuition centre for the school going children in evening at there locality



Gyanam also pay attention on the physical growth of children by organising sports day celebration in regular intervals.



Working on their concentration power (yoga)



Gyanam also provides practical knowledge and teach basic moral values to children with the help of students who want to do internship in our organisation



Every year Gyanam organises free summer camp and each time with a new valuable message. Children really enjoy while learning different activities like dancing , drawing and painting and many other activities.



SUMMER CAMP (2018)- PARINDO KA GHARONDA



SUMMER CAMP(2019)- STOP USING PLASTIC BAGS



We also taught them to be independent and earn money for their own by selling handmade decorated Deepak and in this the private school students also sold these Deepak for making their Diwali bright.



**स्कूली बच्चों ने की दीपकों की बिक्री,
प्राप्त आय से होगी जरूरतमंदों की पूर्ति**

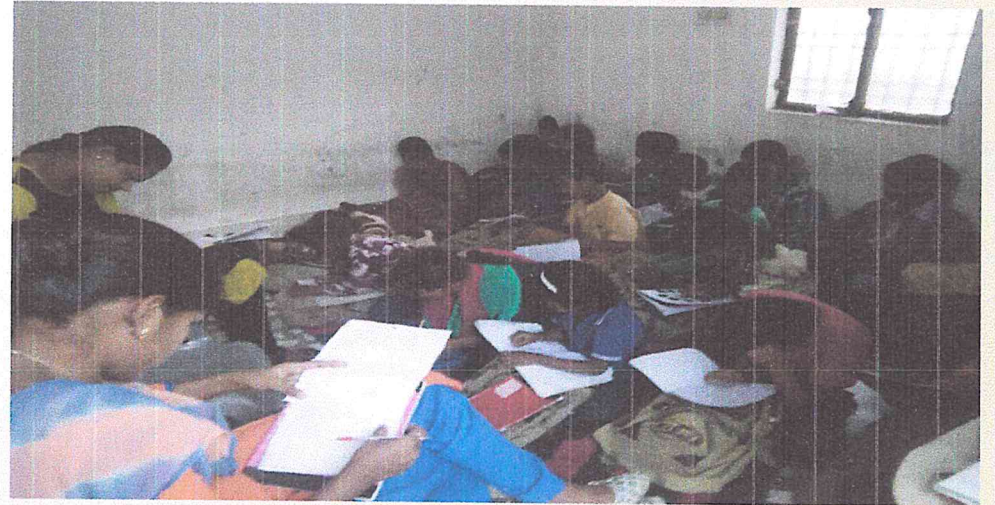
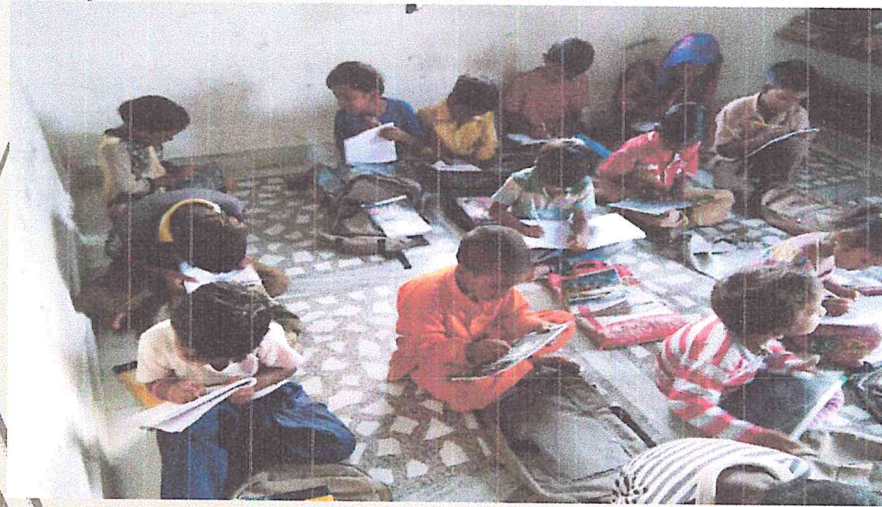


रंगविरंगे दीपक की बिक्री आनासागर चौपाटी पर की।

अजमेर | ज्ञानम एजुकेशन एंड वेलफेयर सोसाइटी द्वारा कच्ची बस्ती के छोटे छोटे बच्चों के द्वारा बनाए गए आकर्षक एवं रंगविरंगे दीपक की बिक्री आनासागर चौपाटी पर की गई। ज्ञानम की निदेशक अल्का गोधा ने बताया कि इस कार्य में विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थी मोहित गांधी, धर्मेन्द्र जांगिड़, पूजा चौधरी, भूमिका सोनी, युवराज वैष्णव का

सहयोग रहा। इन बच्चों ने स्टाल लगाकर मार्ग में आने जाने वाले लोगों को दीपकों को खरीदने के लिए प्रेरित किया। इनकी बिक्री से प्राप्त आय कच्ची बस्तियों के जरूरतमंद बच्चों की जरूरतों में पूरा करने में खर्च किया जाएगा। इस कार्यक्रम का उद्देश्य दीपावली पर स्वदेशी के प्रति जागरूकता फैले और इन जरूरतमंद बच्चों के घरों में उजियाला हो।

Regular classes at every centre of Gyanam



THANK YOU



The background of the slide features a dark blue-to-purple gradient with a series of vertical lines. Faint, overlapping circles are scattered across the background, some appearing as thin outlines and others as slightly more solid shapes.

LEARN , EARN AND HEALTH
PROGRAMME ON WOMEN

(WOMEN EMPOWERMENT)

MAKING THEM AWARE ABOUT THE PERSONAL HYGIENE AND IMPORTANCE OF USING SANITARY PADS INSTEAD OF USING COTTON CLOTHES DURING PERIODS.



INAUGURATING THE BOUTIQUE TRAINING CENTRE WHERE WE TAUGHT THEM ABOUT THE LATEST DESIGN OF CLOTHES AND THIS CENTRE IS TURN INTO A FACTORY WHERE THESE WOMEN ARE EARNING A GOOD SUM OF MONEY EVERY MONTH.



WOMEN ATTENDING WORKSHOP AT LEELASEVRI, PUSHKAR



AWARENESS SESSION ON 'STI AND RTI' ON THE OCCASION OF WOMEN'S DAY.



WOMEN WHILE WORKING ON THEIR FIRST ORDER



WOMEN WHILE DISPATCHING THEIR FIRST ORDER



THANK YOU

